

RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



DATE
जनवरी
13
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



By Ankit Avasthi Sir

कीटनाशक विषाक्तता और विनियमन / Pesticide Poisoning and Regulations

संदर्भ:

एक नई अध्ययन में पता चला है कि 70% से अधिक जंगली मधुमक्खी प्रजातियां, जो खाद्य फसलों के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, मिट्टी में पाए जाने वाले कीटनाशक अवशेषों से गंभीर खतरों का सामना कर रही हैं।

कीटनाशक क्या हैं?

परिचय:

- परिभाषा:** कीटनाशक रासायनिक या जैविक पदार्थ होते हैं जो कीटों से होने वाले नुकसान को रोकने, नष्ट करने या नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। इनका प्रयोग कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में होता है।
- चिंताएं:** कीटनाशकों का गलत उपयोग, अत्यधिक उपयोग या अवैध बिक्री मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है।

कीटनाशकों के प्रकार:

- कीटकनाशक (Insecticides):** फसलों को कीड़ों और कीटों से बचाने के लिए उपयोग।
- फफूंदनाशक (Fungicides):** फसलों में फफूंदजनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए।
- शाकनाशक (Herbicides):** खेती के क्षेत्र में खरपतवार को नियंत्रित या नष्ट करने के लिए।
- जैविक कीटनाशक (Bio-Pesticides):** जैविक स्रोतों जैसे पौधों, जानवरों या बैक्टीरिया से प्राप्त कीटनाशक।
- अन्य:** इसमें पौधों की वृद्धि नियंत्रक, नेमाटोड नाशक, कृन्तक नाशक और धूम्रक शामिल हैं।

कीटनाशक विषाक्तता (Pesticide Poisoning):

- परिभाषा:** मनुष्यों या जानवरों पर कीटनाशक के संपर्क से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव।
- डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट:** कीटनाशक विषाक्तता कृषि श्रमिकों के बीच मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है।

कीटनाशक विषाक्तता के प्रकार:

1. तीव्र विषाक्तता (Acute Poisoning):

- जब किसी व्यक्ति के शरीर में कम समय में बड़ी मात्रा में कीटनाशक जाता है (सांस, त्वचा या निगलने के माध्यम से)।

2. दीर्घकालिक विषाक्तता (Chronic Poisoning):

- लंबे समय तक कम मात्रा में कीटनाशक के संपर्क में रहने से होता है।
- यह शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों को नुकसान पहुंचा सकता है।

भारत में कीटनाशकों की स्थिति:

उत्पादन में स्थिति:

- भारत, अमेरिका, जापान और चीन के बाद, कृषि रसायनों (Agrochemicals) का चौथा सबसे बड़ा वैश्विक उत्पादक है।
- भारत में कीटनाशक बाजार का आकार वर्ष 2022 में ₹229.4 बिलियन आंका गया था, जो 2028 तक बढ़कर ₹342.3 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।
- अनुमानित वार्षिक वृद्धि दर (CAGR): 4.6% से 4.08%।

अनुकूल कारक:

- निम्नलिखित कारक भारत में उत्पादन को बढ़ावा देते हैं:
 - कम उत्पादन लागत
 - सस्ती श्रम शक्ति
 - तकनीकी रूप से प्रशिक्षित मानव संसाधन
 - उच्च उत्पादन क्षमता

निर्यात में स्थिति:

- विश्व व्यापार संगठन (WTO)** के अनुसार, भारत ने कीटनाशकों के निर्यात में पिछले 10 वर्षों में छठे स्थान से दूसरा स्थान प्राप्त किया है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23** में भारत का कृषि रसायनों का निर्यात **US\$ 5.4 बिलियन (₹43,223 करोड़)** रहा, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में **US\$ 4.9 बिलियन (₹36,521 करोड़)** था।
- प्रमुख आयातक देश:** अमेरिका, ब्राजील, जापान।

Pesticides के उपयोग से जुड़ी चिंताएं:

- स्वास्थ्य जोखिम
- पर्यावरणीय प्रभाव
- खाद्य में अवशेष
- गैर-लक्षित जीवों पर प्रभाव
- कीट प्रतिरोधकता

भारत में कीटनाशकों का विनियमन

- कीटनाशक अधिनियम, 1968:** कृषि मंत्रालय द्वारा केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (CIB & RC) के तहत कीटनाशकों के निर्माण, आयात, परिवहन और भंडारण का नियमन।
- CIB & RC:** कीटनाशकों का पंजीकरण, प्रतिबंध या सीमित उपयोग तय करता है।
- FSSAI:** खाद्य में अधिकतम अवशेष सीमा (MRL) को Codex Alimentarius Commission और यूरोपीय संघ के मानकों के अनुसार संरेखित करता है।
- अनुपम वर्मा समिति:** 66 कीटनाशकों की समीक्षा के लिए गठित, जो विदेशों में प्रतिबंधित/सीमित हैं लेकिन भारत में उपयोग के लिए पंजीकृत हैं।

नैनो उत्प्रेरक / Nano Catalyst

संदर्भ:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के तहत स्वायत्त संस्थान, नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (INST) के शोधकर्ताओं ने एक अद्वितीय तारा-आकृति वाले नैनोस्ट्रक्चर (star-like nanostructure) के साथ एक अत्याधुनिक तांबा-आधारित उत्प्रेरक (copper-based catalyst) विकसित किया है।

कॉपर-आधारित उत्प्रेरक (Copper-based Catalyst)

परिचय:

- यह उत्प्रेरक **कॉपर ऑक्साइड नैनोस्ट्रक्चर** को **स्पोरोपोलिनिन टेम्पलेट** पर उगाकर तैयार किया जाता है।
- यह **औद्योगिक रासायनिक प्रतिक्रियाओं** के लिए एक **सतत (sustainable) मार्ग** प्रदान करता है।
- इसे **ग्रीन उत्प्रेरक (Green Catalyst)** माना जाता है, क्योंकि यह:
 - प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।
 - कम विषाक्त (Low Toxicity) है।
 - कुशल (Efficient) और पुनः उपयोग योग्य (Reusable) है।
- यह पानी में बिना किसी एडिटिव्स के कुशल है और इसे कई बार पुनः उपयोग किया जा सकता है।

उपयोग (Applications):

- जैविक प्रतिक्रियाएं:** विभिन्न रासायनिक प्रतिक्रियाओं में सहायक।
- पर्यावरण सुधार:** प्रदूषण को कम करने में मददगार।
- नैनोस्केल इलेक्ट्रॉनिक्स:** सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उपयोगी।
- सरफेस-एन्हांस्ड रामन स्पेक्ट्रोस्कोपी (SERS):** सतह विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण।

कॉपर-आधारित उत्प्रेरकों के लाभ (Advantages of Copper-Based Catalysts):

1. प्रचुरता और लागत प्रभावशीलता:

- प्रचुर उपलब्धता (Easily Available):** तांबा प्राकृतिक रूप से प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।
- कम लागत (Low Cost):** यह सस्ता धातु है, जो इसे लागत-प्रभावी विकल्प बनाता है।

2. विभिन्न ऑक्सीकरण अवस्थाएं:

- लचीली प्रतिक्रियाएं:** तांबा विभिन्न ऑक्सीकरण अवस्थाओं (Cu^0 , Cu^+ , Cu^{2+} , Cu^{3+}) में पाया जाता है, जो इसे कई रासायनिक प्रतिक्रियाओं में भाग लेने में सक्षम बनाता है।

3. बहुउपयोगी अनुप्रयोग (Versatile Applications):

- रेडॉक्स प्रतिक्रियाएं:** ऑक्सीकरण-अपचयन प्रक्रियाओं में व्यापक रूप से उपयोगी।
- कार्बन मोनोऑक्साइड ऑक्सीकरण:** CO को CO_2 में परिवर्तित करने में प्रभावी।
- चयनात्मक ऑक्सीकरण:** जैविक यौगिकों के चयनात्मक ऑक्सीकरण को सक्षम बनाता है।
- विद्युत-रासायनिक प्रतिक्रियाएं:** हाइड्रोजन उत्पादन प्रतिक्रियाओं (HER) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नैनो प्रौद्योगिकी (Nanotechnology)

परिचय:

- नैनो प्रौद्योगिकी** वह तकनीक है जो पदार्थ को **परमाणु, आणविक और अति आणविक स्तर** पर नियंत्रित करती है, जो लगभग **1 से 100 नैनोमीटर** के दायरे में होती है।
- एक **नैनोमीटर (nm)**, एक मीटर का **एक अरबवां भाग (10^{-9})** होता है।
- यह इतनी सूक्ष्म सामग्रियों और उपकरणों का निर्माण और उपयोग है, जिसे और छोटा बनाना संभव नहीं।

मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण:

- इसमें कई क्षेत्रों का योगदान शामिल है, जैसे:
 - अनुप्रयुक्त भौतिकी (Applied Physics)
 - सामग्री विज्ञान (Materials Science)
 - रसायन शास्त्र (Chemistry)
 - जीव विज्ञान (Biology)
 - सतह विज्ञान (Surface Science)
 - रोबोटिक्स, इंजीनियरिंग और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

नैनो प्रौद्योगिकी में भौतिकी का योगदान:

- नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स
- नैनोमैकेनिक्स
- नैनोफोटोनिक्स
- नैनोआयोनिक्स

नैनो प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण:

1. बॉटम-अप दृष्टिकोण:

- इसमें सामग्रियों और उपकरणों को **आणविक घटकों** से बनाया जाता है, जो **रासायनिक रूप से आत्म-विन्यास (Self-assemble)** द्वारा तैयार होते हैं।

2. टॉप-डाउन दृष्टिकोण:

- इसमें बड़े घटकों से **नैनो-ऑ जेक्ट** बनाए जाते हैं, लेकिन **परमाणु स्तर का नियंत्रण** नहीं होता।

नैनो प्रौद्योगिकी के विकास का आधार:

- कोलाइड विज्ञान (Colloidal Science) में पुनः रुचि।
- नई पीढ़ी के विश्लेषणात्मक उपकरणों का विकास, जैसे:
 - एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप**
 - स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप**

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम / National Programme for Organic Production

संदर्भ:

नई दिल्ली में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP) के 8वें संस्करण का शुभारंभ हुआ, जिसमें भारत की जैविक खेती में क्षमता पर जोर दिया गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने घोषणा की कि अगले **तीन वर्षों में जैविक खेती से निर्यात ₹20,000 करोड़ तक पहुंच** सकता है।

NPOP (राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम) के 8वीं संस्करण की प्रमुख विशेषताएं:

1. सरल प्रमाणन प्रक्रिया:

- जैविक उत्पादक समूहों को **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (ICS)** के स्थान पर **कानूनी मान्यता** दी गई।

2. बाजार समर्थन:

- जैविक उत्पादक समूहों की ICS को यह सुनिश्चित करना होगा:
 - पूरे जैविक उत्पादन** की खरीदारी।
 - किसानों के लिए **बाजार संबंध** स्थापित करना।

3. तेज भूमि रूपांतरण:

- जैविक खेती** में परिवर्तन अवधि विशेष परिस्थितियों में **तीन वर्ष तक कम** की गई।

4. कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किए गए पोर्टल:

- NPOP पोर्टल:** हितधारकों के कार्यों को सरल और सुव्यवस्थित करता है।
- जैविक प्रमोशन पोर्टल (Organic Promotion Portal):** किसानों को वैश्विक खरीदारों से जोड़ता है।
- TraceNet 2.0:** ट्रेसबिलिटी (Traceability) में सुधार।
- APEDA पोर्टल (Revamped APEDA Portal):** उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करता है।

जैविक खेती (Organic Farming):

मुख्य उद्देश्य:

- जैविक खेती का मुख्य उद्देश्य **मिट्टी, पारिस्थितिकी तंत्र, और लोगों की सेहत को प्राथमिकता** देना है। इसमें सिंथेटिक रसायनों से बचने और प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- यह **पारिस्थितिकी तंत्रों, जैवविविधता और परंपरा, नवाचार और विज्ञान** का संयोजन करती है।
- पर्यावरणीय लाभों और न्यायपूर्ण रिशतों** को बढ़ावा देती है।
- सामान्यतः **बाहरी पदार्थों** से बचने का प्रयास करती है, लेकिन प्रमाणन प्रणालियाँ **जैविक, जैविकीय और खनिज पूरकों के उपयोग** की अनुमति देती हैं जब आवश्यकता हो।

जैविक खेती की स्थिति (Status of Organic Farming)

- भारत** दुनिया में जैविक कृषि भूमि के हिसाब से **दूसरे** स्थान पर है।
- सिक्किम:** दुनिया का पहला पूरी तरह से जैविक राज्य।
- पूर्वोत्तर भारत:** पारंपरिक रूप से जैविक खेती का अभ्यास किया जाता है और रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम होता है।
- भारत** में दुनिया के सबसे अधिक जैविक उत्पादक किसान हैं, जिनकी संख्या **2.3 मिलियन** है।
- 2023-24 तक, लगभग **4.5 मिलियन हेक्टेयर** (कुल कृषि भूमि का 2.5%) क्षेत्र जैविक प्रमाणन के तहत है।

भारत के शीर्ष चार जैविक खेती वाले राज्य:

- मध्य प्रदेश** (26%)
- महाराष्ट्र** (22%)
- गुजरात** (15%)
- राजस्थान** (13%)

इन चार राज्यों का मिलाकर भारत की कुल जैविक खेती क्षेत्र का **76%** हिस्सा है।

भारत के प्रमुख जैविक उत्पाद (Key Organic Products in India):

- प्रमुख निर्यात उत्पादों में **अलसी बीज, तिल, सोयाबीन, चाय, औषधीय पौधे, चावल, और दालें** शामिल हैं।
- भारत **जैविक कपास उत्पादन** में वैश्विक नेता है।

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP):

- लॉन्च किया गया:** 2001 में।
- कार्यान्वयन द्वारा:** कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) द्वारा, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत।
- मुख्य उद्देश्य:**
 - प्रमाणन, जैविक उत्पादन मानकों पर ध्यान केंद्रित करना।
 - जैविक खेती को बढ़ावा देना।
 - भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना।
- आंतरिक मान्यता:**
 - NPOP मानक उत्पादन और प्रमाणन के लिए यूरोपीय आयोग और स्विट्जरलैंड द्वारा मान्यता प्राप्त है, जिससे भारतीय जैविक उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्वीकार किया जाता है।

NPOP की उपलब्धियाँ:

- वैश्विक रैंकिंग:** भारत जैविक उत्पादकों में पहले और जैविक कृषि भूमि में दूसरे स्थान पर है।
- प्रमाणित क्षेत्र:** 2023-24 तक कुल प्रमाणित क्षेत्र 7.3 मिलियन हेक्टेयर तक पहुँच गया, जिसमें मध्य प्रदेश अग्रणी है, इसके बाद महाराष्ट्र और राजस्थान हैं।
- जैविक निर्यात:** वर्तमान में ₹4,007.91 करोड़, जो तीन वर्षों में ₹20,000 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है।

2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान / India's Economic Growth Projections for 2024-25

संदर्भ:

भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 2024-25 (FY25) के वित्तीय वर्ष में 6.4% बढ़ने का अनुमान है, जो चार वर्षों में सबसे कम वृद्धि होगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के अनुसार, इस मंदी का कारण कमजोर औद्योगिक और निवेश वृद्धि है।

मुख्य बिन्दु: GDP विकास दर अनुमानों:

- **वास्तविक GDP विकास:** FY 2024-25 के लिए **6.4%** अनुमानित, जबकि FY 2023-24 के लिए प्रोजेक्शनल एस्टिमेट (PE) में यह **8.2%** था।
- **नाममात्र GDP विकास:** FY 2024-25 में **9.7%** की वृद्धि दर्ज की गई, जो FY 2023-24 में **9.6%** की वृद्धि से अधिक है।
 - यह **COVID-19 महामारी वर्ष (2020-21)** के बाद सबसे **निम्नतम वृद्धि दर** है, जब भारत ने **-5.8%** की नकारात्मक वृद्धि अनुभव की थी।
- **वास्तविक GVA विकास:** FY 2024-25 में **6.4%** की वृद्धि, जबकि FY 2023-24 में यह **7.2%** था।
- **नाममात्र GVA विकास:** FY 2024-25 में **9.3%** की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि FY 2023-24 में यह **8.5%** था।
- **राष्ट्रीय आय अनुमान:** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, FY 2024-25 के लिए GDP वृद्धि **6.4%** अनुमानित है, जो रिजर्व बैंक के **6.6%** और वित्त मंत्रालय के **6.5-7%** के प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है।

क्षेत्रीय प्रदर्शन:

प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र:

- **कृषि:** FY 2025 में GVA वृद्धि **3.8%** तक पहुँच गई (FY 2024 में यह **1.4%** थी)।
- **उत्पादन:** GVA वृद्धि **5.3%** पर, जो FY 2024 में **9.9%** थी।
- **बिजली, गैस और उपयोगिताएँ:** वृद्धि **6.8%** पर धीमी पड़ी (FY 2024 में **7.5%** थी)।
- **निर्माण:** वृद्धि **8.6%** रही (FY 2024 में **9.9%** थी)।
- **खनन और खनिज उत्खनन:** वृद्धि **2.9%** रही, जो FY 2024 में **7.1%** थी।

सेवाएँ:

- **सेवाओं** में अनुमानित वृद्धि **7.2%** है, जो सार्वजनिक प्रशासन से प्रेरित है (**9.1%**)।
- **वाणिज्य, होटल और परिवहन:** वृद्धि **5.8%** रही (FY 2024 में **6.4%** थी)।
- **वित्तीय और पेशेवर सेवाएँ:** वृद्धि **7.3%** रही (FY 2024 में **8.4%** थी)।

स्वपत और निवेश प्रवृत्तियाँ:

- **निजी अंतिम उपभोग व्यय (PFCE):** अनुमानित वृद्धि **7.3%** होगी (FY 2024 में **4%** थी)।
- **सकल स्थिर पूंजी निर्माण (GFCF):** वृद्धि **6.4%** तक धीमी पड़ी, जो FY 2024 में **9.0%** थी।

सरकारी खर्च और राजकोषीय प्रभाव:

- **सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (GFCE)** में वृद्धि **4.1%** तक बढ़ी, जो FY 2024 में **2.5%** थी।
- बजट अनुमानों की तुलना में कम नाममात्र GDP वृद्धि (**9.7%**) से राजकोषीय घाटे के लक्ष्यों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

GDP, GVA और अन्य आर्थिक संकेतक:

- **वास्तविक GDP (स्थिर कीमतों पर):** वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹184.88 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2023-24 के लिए अंतिम अनुमान ₹173.82 लाख करोड़ था।
- **नाममात्र GDP (वर्तमान कीमतों पर):** वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹324.11 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2023-24 में ₹295.36 लाख करोड़ था, जो **9.7%** की वृद्धि को दर्शाता है। भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 2024-25 में लगभग **USD 3.8 ट्रिलियन** (₹85.7 प्रति USD) होने की संभावना है।
- **वास्तविक GVA (ग्रॉस वैल्यू एडेड):** 2024-25 में ₹168.91 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जबकि 2023-24 के PE के अनुसार ₹158.74 लाख करोड़ था, जो **6.4%** की वृद्धि को दर्शाता है (2023-24 में यह वृद्धि दर **7.2%** थी)।
- **नाममात्र GVA:** 2024-25 के लिए ₹292.64 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जो 2023-24 के ₹267.62 लाख करोड़ से **9.3%** की वृद्धि को दर्शाता है।
- **निजी अंतिम उपभोग व्यय (PFCE):** वास्तविक कीमतों पर 2024-25 में **7.3%** की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष में **4%** थी।
- **सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (GFCE):** वास्तविक कीमतों पर **4.1%** की वृद्धि हुई, जो पिछले वित्तीय वर्ष में **2.5%** थी, जिससे सरकार के खर्च में वृद्धि को संकेत मिलता है।
- **प्रति व्यक्ति आय (वर्तमान कीमतों पर):** अनुमानित **8.7%** की वृद्धि के साथ ₹2,00,162 प्रति वर्ष तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह ₹1,84,205 थी।

सतत विकास के लिए चुनौतियाँ:

1. **GDP के प्रमुख इंजन धीमी वृद्धि दिखा रहे हैं:**
 - **निजी उपभोग:** FY20 से 4.8% की धीमी CAGR (वृद्धि दर) विकास में रुकावट डाल रही है।
 - **सरकारी खर्च:** 2019 के बाद से सीमित राजकोषीय विस्तार (CAGR 3.1%)।
 - **निवेश:** 2014 से निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में ठहराव (CAGR 5.3%)।
 - **निवेश का संतुलन:** व्यापार घाटा लगातार बना हुआ है, हालांकि FY25 में यह कुछ संकुचित हो सकता है।

बीएनएस की धारा 152 / Section 152 of the BNS

संदर्भ:

राजस्थान उच्च न्यायालय ने **तेजेंद्र पाल सिंह बनाम राजस्थान राज्य (2024)** के मामले में **भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 152** के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी दी है। न्यायालय ने इस प्रावधान के तहत वैध असहमति को दबाने की संभावनाओं पर चिंता व्यक्त की।

बीएनएस की धारा 152:

राष्ट्रीय अखंडता को खतरा पहुंचाने वाले कार्यों को अपराध घोषित करती है।

मुख्य प्रावधान:

- **धारा 152 के अंतर्गत दंडनीय अपराध:** कोई भी व्यक्ति, जो जानबूझकर या जानबूझकर, निम्नलिखित कार्यों में शामिल होता है:
 - शब्दों (मौखिक या लिखित), संकेतों, दृश्य प्रस्तुति, इलेक्ट्रॉनिक संचार, या वित्तीय माध्यमों के उपयोग से:
 - **विद्रोह, सशस्त्र बगावत, या विध्वंसकारी गतिविधियों को उकसाता है या उकसाने का प्रयास करता है।**
 - **अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देता है।**
 - **भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने वाले कार्यों में लिप्त होता है।**
- **दंड:**
 - **आजीवन कारावास,** या
 - **सात वर्ष तक का कारावास,**
 - **और जुर्माना।**

धारा 152 का आधार:

- इसका स्रोत भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 की **धारा 124A** (देशद्रोह) है।

विवाद और प्रासंगिकता:

- 2022 में, **सुप्रीम कोर्ट ने IPC की धारा 124A के तहत देशद्रोह के मामलों पर रोक लगाई थी।**
- सरकार ने देशद्रोह कानून को समाप्त करने का वादा किया था।
- **धारा 152, बीएनएस में ऐसे प्रावधान शामिल हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से देशद्रोह के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं।**

न्यायालय के अवलोकन

1. **देशद्रोह के मुकदमों पर रोक (2022):**
 - सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 124ए (देशद्रोह) के तहत लंबित मुकदमों को 2022 में निलंबित कर दिया था।
 - यह निर्णय सरकार द्वारा कानून की पुनः समीक्षा के दौरान लिया गया।
2. **धारा 152 को लेकर चिंताएँ:**
 - भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा (BNS) कानून में "देशद्रोह" शब्द का उल्लेख नहीं है।
 - हालांकि, धारा 152 उन कार्यों को अपराध मानती है जो अलगाव, विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों और पृथक्तावाद को उकसाते हैं।
 - इससे कानून के नए रूप में भी इसके दुरुपयोग की संभावना को लेकर चिंताएँ उठ रही हैं।

धारा 152 (BNS) की समस्याएँ:

1. स्पष्टता और व्यापक व्याख्या का अभाव:

- धारा 152 'भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा देने वाले कार्यों' को अपराध घोषित करती है, लेकिन इन खतरों को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करती।
- यह अस्पष्टता कानून प्रवर्तन के लिए व्यापक और व्यक्तिपरक व्याख्याओं की गुंजाइश पैदा करती है।
- उदाहरण: किसी राजनीतिक व्यक्ति की आलोचना करने या किसी विवादास्पद विचारधारा के प्रति सहानुभूति जताने वाला भाषण भी एकता को खतरा देने वाले कार्यों के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है, जिससे कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

2. अपराध की न्यूनतम सीमा – 'जानबूझकर' शब्द का उपयोग:

- धारा 152 में 'जानबूझकर' शब्द शामिल है, जो अभियोजन की सीमा को कम करता है।
- भले ही कोई व्यक्ति अलगाव या विद्रोह भड़काने का इरादा न रखता हो, लेकिन केवल यह जानते हुए सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट साझा करना कि यह ऐसे भावनाओं को उकसा सकता है, गिरफ्तारी का कारण बन सकता है।

3. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ठंडा प्रभाव:

- चूंकि धारा 152 एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध है, इसलिए पर्याप्त प्राथमिक साक्ष्य के बिना भी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा सकता है।
- यह उत्पीड़न, लंबी हिरासत और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

4. दुरुपयोग की गुंजाइश:

- NCRB के आंकड़ों के अनुसार, 2015 से 2020 के बीच IPC की धारा 124A के तहत गिरफ्तार किए गए 548 व्यक्तियों में से केवल 12 को दोषी ठहराया गया।
- धारा 152 का व्यापक दायरा और अधिक दुरुपयोग की संभावना को दर्शाता है।

5. दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों का अभाव:

- धारा 124A के विपरीत, जिसमें न्यायालय की व्याख्याओं ने इसके दुरुपयोग को सीमित किया था, धारा 152 में अभी तक स्पष्ट वैधानिक सुरक्षा उपाय नहीं हैं।

धारा 152 में सुरक्षा उपायों की अनुपस्थिति राजद्रोह के लिए इसके दुरुपयोग के जोखिम को बढ़ाती है। राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए मुक्त भाषण की सुरक्षा के लिए न्यायिक हस्तक्षेप और स्पष्ट दिशा-निर्देश महत्वपूर्ण हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !



ANKIT AVASTHI

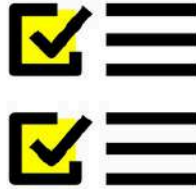


RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now



GA FOUNDATION

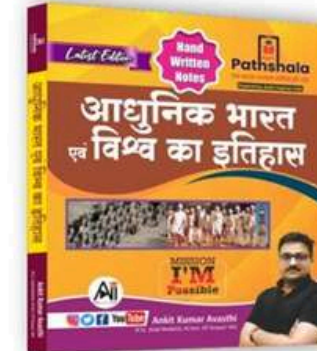
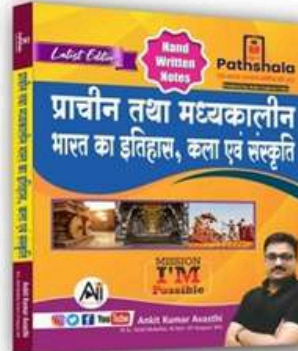
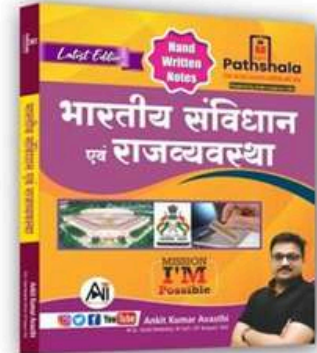
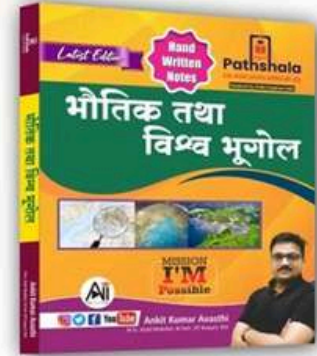
Hand Written
Notes


Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

**4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट**



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

 DAILY LIVE CLASSES

 WEEKLY TEST

 CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

 LIVE DOUBT SESSIONS

 DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

ONLY POLITY



1499
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala



7878158882



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!

